नमूना प्रश्न पत्र–1
उच्च माध्यमिक परीक्षा–2021
कक्षा–11
हिन्दी साहित्य

Sample Question Paper-I
Senior Secondary Examination-2021
Class - XI
Hindi Literature

समय : 3:15 घण्टे | पूर्णांक : 80

Time : 3:15 Hours | **Marks : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर अपना नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखे।
4. जिन प्रश्न मे आंतरिक खंड है, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखे।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित (गद्यांश, काव्यांश)	16
रचनात्मक व व्यावहारिक लेखन	22
पाठ्यपुस्तक अन्तरा	32
अन्तराल	10

खण्ड–I

1. नीचे लिखे गद्यांश को ध्यान से पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

परहित का अर्थ है दूसरों की भलाई। इसी को परोपकार भी कहते है। दोनों का भाव एक है। यदि एक में दूसरे के हित की भावना है, तो दूसरे में भला करने की भावना छिपी हुई है। अपने हित की चिन्ता न कर दूसरों का। हित या उपकार करना ही सच्चे अर्थ में परहित या परोपकार है।

धर्म का अर्थ है – पुण्य, कर्त्तव्य, सत्कर्म और सदाचार। यहाँ धर्म का अर्थ मजहब या मत नहीं है। यदि मजहब अर्थ है जो यह मजहब के प्रति द्वेष या बुरा करने का भाव लिए हुए नहीं है, बल्कि भलाई करने का भाव लिए हुए है। वास्तव में जिस आचरण या भाव या कार्य से समाज का कल्याण होता है वही धर्म है। मनुष्य सामाजिक प्राणी है। इसका धर्म है कि स्वयं जिए और दूसरों को भी जीने दे। वह अपने सुख–दुःख के साथ दूसरों के सुख–दुःख की ओर भी ध्यान दे। अपने स्वार्थ को छोड़कर दूसरों के हित की सोचे। अपनी स्वार्थ सिद्धि करना मानवता नहीं है। परहित ही सच्ची मानवता है, यही सच्चा धर्म है।

परहित की प्रवृत्ति तो वृक्षों और नदियों में भी पाई जाती है। वृक्ष सभी प्राणियों को छाँव प्रदान करता है, फल देता है और अपनी लकड़ी देकर उनके लिय साधन जुटाता है। नदी सभी प्राणियों को अपना जल देकर उन्हें जीवन प्रदान करती है। मनुष्य तो सभी प्राणियों से उत्कृष्ट प्राणी है। इसलिए उसका परमधर्म है कि वह निःस्वार्थ भाव से सभी प्राणियों की सेवा करे। संसार के सभी धर्मो में परहित ही सबसे बड़ा धर्म है। इसलिए गोस्वामी तुलसीदास ने कहा है कि परोपकार के समान कोई धर्म नहीं है और दूसरों को पीड़ा पहुंचाने के समान कोई नीच कर्म नहीं है।

गीता में भी कहा गया है कि 'परोपकाराय पुण्याय पापाय परपीडनम्।' अर्थात् परहित पुण्य का तथा परपीड़न पाप का भागी बनता है। इसलिए परहित धर्म की आराधना करने से ही मनुष्य का जीवन सफल हो सकता है।

अ. धर्म से तात्पर्य है – (1)

अ. पुण्य कर्म ब. सदाचार स. सत्कर्म द. उपरोक्त सभी

ब. ''परोपकाराय पुण्याय पापाय परपीडनम्'' किससे उद्धृत है – (1)

अ. रामचरितमानस ब. वाल्मीकि रामायण स. गीता द. महाभारत

स. परोपकार किसे कहा गया है? (1)

द. धर्म का क्या अर्थ है? (1)

य. मनुष्य का परम कर्त्तव्य क्या है? (1)

र. मनुष्य का जीवन कैसे सफल हो सकता है ? (1)

ल. गोस्वामी तुलसीदास ने परोपकार के लिए क्या कहा है? (1)

व. प्रकृति किस प्रकार परहित करती है? (1)

2. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचें लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (8)

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाये
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाये,
दो बार नहीं यमराज कण्ठ धरता है।
मरता है जो, एक ही बार मरता है।
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे!
जीना हो तो मरने से नहीं उरो रे!!
उपशम को ही जाति धर्म कहती है,
शम, दम, विराग को श्रेष्ठ कर्म कहती है,
धृति को प्रहार, क्षान्ति को वर्म कहती है,
अक्रोध, विनय को विजय–मर्म कहती है,
अपमान कौन, वह जिसको नहीं सहेगी?
सबको असीर सबका बनदास करहेगी।।
दो उन्हें राम, तो मात्र नाम वे लेंगी
विक्रमी शरासन से न काम वे लेंगी
नवनीत बना देती भट अवतारी को
मोहन मुरलीधर पान्चजन्य धारी को।
पावक को बुझा तुषार बना देती है,
गाँधी को शीतल क्षर बना देती है।

अ. कवि किस बात के लिए प्रेरित कर रहा है ? (1)

ब. इस संसार में किस प्रकार के व्यक्ति को अन्याय सहन करना पड़ता है ? (1)

स. कविता का मूल सन्देश क्या है? (1)

द. 'दो बार नहीं' यमराज कण्ठ धरता है' उक्ति से क्या तात्पर्य है ? (1)

य. प्रस्तुत काव्यांश की काव्यगत विशेषताएं क्या है ? (1)

र. प्रस्तुत काव्य में किस रस का प्रयोग किया गया है? (1)

ल. 'भले व्योम फट जाये' में कौनसी शब्द शक्ति है? (1)

व. 'मरता है जो, एक ही बार मरता है' का भावार्थ लिखिए। (1)

खण्ड–2

रचनात्मक व व्यावहारिक लेखन **22 अंक**

3. किसी मतदान केन्द्र के दृश्य का वर्णन कीजिए। (3)

अथवा

कोविड–19 : महामारी से उत्पन्न हुई स्थिति का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।

4. प्रधानाचार्य, राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, सीकर की ओर से पुलिस अधीक्षक, सीकर को एक सरकारी पत्र लिखिएं, जिसमें बोर्ड की परीक्षा के दौरान विद्यालय परिसर में उचित पुलिस बल नियुक्त करने का आग्रह किया गया हो। (3)

अथवा

दूरदर्शन केन्द्र जयपुर में समाचार उद्घोषक हेतु दूरदर्शन के निदेशक को आवेदन पत्र लिखिए।

5. प्रतिवेदन को पारिभाषित कीजिए। आपके विद्यालय के वार्षिकोत्सव का प्रतिवेदन लिखिए। (2)

अथवा

प्रतिवेदन का अभिप्राय स्पष्ट करते हुए इसकी कसौटी तथा प्रमुख गुणों का उल्लेख कीजिए।

6. प्रेस विज्ञप्ति किसे कहते है? एक उदाहरण द्वारा स्पष्ट कीजिए। (2)

अथवा

परिपत्र से आप क्या समझते हैं? इसमें ध्यान देने योग्य बातें लिखिए।

7. कार्यसूची किसे कहते है? कार्यसूची के स्वरूप पर संक्षेप में प्रकाश डालिए। (2)

अथवा

कार्यवृत्त को पारिभाषित कीजिए। विद्यालय की विकास समिति की बैठक का कार्यवृत्त लिखिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के दिए गए विकल्पों में से समुचित विकल्प का चयन कीजिए। (कोई छः) (1×6 अंक = 6)

i) हिन्दी वर्णमाला का प्रथम वर्ण होता है – (1)
अ. अ ब. क स. अं द. अः

ii) शब्द किसकी मूल इकाई है – (1)
अ. वर्ण ब. भाषा स. कोश द. ज्ञान

iii) हिन्दी के शब्दकोश है– (1)
अ. पारिभाषिक कोश ब. लोकभारती मुहावरा–कोश
स. सन्त साहित्य कोश द. उपरोक्त सभी

iv) शब्दकोश में से 'क्ष' से आरम्भ होने वाले शब्दों का क्रम होगा – (1)
अ. 'ज्ञ' से पूर्व ब. 'स' से पूर्व
स. 'क' से पूर्व द. 'ख' से पूर्व

v) 'ध्वनियों का सार्थक समूह' क्या कहलाता है– (1)
अ. शब्द ब. वर्ण
स. वाक्य द. भाषा

vi) 'ज्ञ' संयुक्ताक्षर बना है – (1)

अ. ज्+ग | ब. ग्+य
ग. ज्+त्र | घ. ज्+ध

vii) कौनसा शब्द शब्दकोश में सबसे पहले आएगा – (1)

अ. क्षमा | ब. कक्षा
स. आराम | द. ज्ञानी

viii) शब्दकोश में सर्वप्रथम वर्ण आता है – (1)

अ. अ | ब. अनुस्वार
स. क | द. विसर्ग

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (2x2=4)

क. संचार से आप क्या समझते है? संचार के कौन–कौनसे प्रकार है ?

ख. जनसंचार किसे कहते हैं? इसकी विशेषताएं व प्रकार लिखिए ?

ग. समाचार लेखन के छः ककार कौनसे हैं? समाचार लेखन में क्या सावधानियाँ होनी चाहिए ?

घ. इंटरनेट क्या है ? यह संचार का कौनसा माध्यम है इसके लाभ व हानियाँ लिखिए।

खण्ड–3

पाठ्यपुस्तक (अन्तरा) **(32 अंक)**

10. निम्नलिखित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (4)

चिर सजग आँखे उनींदी आज कैसा व्यस्त बाना!
जाग तुझको दूर बाना!
अचल हिमगिरि के हृदय में आज चहो कम्प हो ले,
या प्रलय के आँसुओं में मौन अलसित व्योम रो लें
आज पी आलोक को डोले तिमिर की घोर छाया,
जागकर विद्युत–शिखाओं में निठुर तूफान बोले!
पर तुझे है नाश पथ पर चिन्ह अपने छोड़ आना!
जाग तुझको दूर जाना!

अथवा

खेलन में को काकोगुसैयाँ।
हरि घरे जीते श्रीदामा, बरबस ही कल करत रिसैयौ।
जाति–पाँति हमतै बड़ नाही, बसत तुम्हारी छैया।
अति अधिकार जनावत यातैं जातै अधिक तुम्हारै गैयौ।
रूठहि करै तासौ को खेलै, रहे बैठे जहै–तहै ग्वैयाँ।
सूरदास प्रभु खेल्यौई चाहत, दाऊँ दियौ करि नन्द दुहैयाँ।।

11. पाठ्य पुस्तक में कबीर के संकलन पदों में कबीर ने हिन्दू और मुसलमानों के किन आडम्बरों और कुरीतियों की निन्दा की है ? (5)

अथवा

पद्माकर प्रकृति की विभिन्न छवियों के कुशल चित्रकार हैं ? पठित कविता के आधार पर सिद्ध कीजिए।

12. ''बादल को घिरते देखा है'' कविता के आधार पर वर्षा ऋतु का वर्णन कीजिए। (2)

अथवा

बांसुरी बजाते समय श्रीकृष्ण की छवि किस प्रकार की हो जाती है?

13. कोई तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3 x 2 = 6)

क. कबीर के पठित पदों का काव्य सौन्दर्य लिखिए।

ख. 'गुमानहूँ ते मानहुँ तै'' में क्या भाव सौन्दर्य छिपा है ?

ग. ''सब आँखों के आँसू उजले'' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए।

घ. ''बादल को घिरते देखा है'' पंक्ति को बार–बार दोहराए जाने से कविता में क्या सौन्दर्य आया है? अपने शब्दों में लिखिए।

य. पठित कविताओं के आधार पर महादेवी वर्मा के काव्य सौन्दर्य अथवा काव्य कला पर विचार प्रकट कीजिए।

14. निम्नलिखित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। (4)

बुढ़िया का क्रोध तुरन्त स्नेह में बदल गया और स्नेह भी वही नहीं, जो प्रगल्य होता है और अपनी सारी कसक शब्दों में बिखेर देता है। यह मूक स्नेह था, खूब ठोस, रस और स्वाद से भरा हुआ।

अथवा

और ये गूँगे..... अनेक–अनेक हो संसार में भिन्न–भिन्न रूपों में छा गए हैं – जो कहना चाहते हैं, पर कह नहीं पाते। जिनके हृदय की प्रति हिंसा न्याय और अन्याय को परखकर भी अत्याचार को चुनौती नहीं दे सकती, क्योंकि बोलने के लिए स्वर होकर भी स्वर में अर्थ नहीं है....... क्योंकि वे असमर्थ है।

15. व्यंग्य विधा में भाषा सबसे धारदार है। परसाई जी की रचना को आधार बनाकर इस कथन के पक्ष में अपने विचार प्रकट कीजिए। (5)

अथवा

खानाबदोश कहानी के आधार पर मानों की चारित्रिक विशेषताएं स्पष्ट कीजिए।

16. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (2x2=4)

अ. हामिद ने चिमटे की उपयोगिता सिद्ध करते हुए क्या–क्या तर्क दिए ?

ब. 'दोपहर का भोजन' कहानी का उद्देश्य स्पष्ट कीजिए।

स. भव्य पुरूष ने कहा ''जहाँ अंधकार है वहीं प्रकाश है।'' इसका क्या तात्पर्य है ?

द. 'गूंगा दया या सहानुभूति नहीं, अधिकार चाहता था।'' सिद्ध कीजिए।

17. कबीरदास जी का जीवन परिचय तथा काव्य परिचय लिखिए। (2)

अथवा

प्रेमचन्द के व्यक्तित्व तथा कृतित्व का संक्षिप्त वर्णन कीजिए।

खण्ड–4

अन्तराल **(10 अंक)**

18. किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2×5 = 10)

अ. एकांकी 'अंडे के छिलके' का मूल भाव क्या है ?

ब. अंडे के छिलके के आधार पर वीना की चारित्रिक विशेषातएं लिखिए।

स. एकांकी को परिभाषित कीजिए। एकांकी व नाटक में अन्तर लिखिए।

द. तत्कालीन परिस्थितियों में 'अंडे के छिलके' एकांकी की क्या प्रासंगिकता है? स्पष्ट कीजिए।

य. क्या अभाव, अधूरापन मनुष्य के लिए प्रेरणादायी हो सकता है? आवारा मसीहा के आधार पर बताईए।

र. शरत् को कहानी लेखन की प्रेरणा कैसे मिली ?

ल. जीवनी विद्या का परिचय प्रस्तुत करते हुए विष्णु प्रभाकर द्वारा रचित 'आवारा मसीहा' की जीवनी सम्बन्धी विशेषताएं लिखिए।

नमूना प्रश्न पत्र–2
उच्च माध्यमिक परीक्षा–2021
कक्षा–11
हिन्दी साहित्य

Sample Question Paper-II
Senior Secondary Examination-2021
Class - XI
Hindi Literature

समय : 3:15 घण्टे | पूर्णांक : 80
Time : 3:15 Hours | **Marks : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न पत्र पर अपना नामांक अनिवार्यतः लिखें।
2. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर पुस्तिका में ही लिखे।
4. जिन प्रश्न मे आंतरिक खंड है, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखे।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित (गद्यांश, काव्यांश)	16
रचनात्मक व व्यावहारिक लेखम	22
पाठ्यपुस्तक अन्तरा	32
अन्तराल	10

खण्ड–I (अपठित) 16 अंक

1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए – (1×8 = 8)

शिक्षा विविध जानकारियों का ढेर नहीं है, जो तुम्हारे मस्तिष्क में ठूंस दिया गया है और जो आत्मसात् किये बिना आजन्म पड़ा रहकर गड़बड़ मचाया करता है। हमें उन विचारों की अनुभूति कर लेने की आवश्यकता है, जो जीवन निर्माण, मनुष्य निर्माण तथा चरित्र निर्माण में सहायक हो। यदि तुम केवल पांच ही परखे हुए विचार आत्मसात कर उनके अनुसार अपने जीवन और चरित्र का निर्माण कर लेते हो, तो तुम एक पूरे ग्रन्थालय को कण्ठस्थ करने वाले की अपेक्षा अधिक शिक्षित हो सकते हो। यदि शिक्षा का अर्थ जानकारी ही होता तो पुस्तकालय संसार में सबसे बड़े सन्त हो जाते और विश्वकोश महान ऋषि बन जाते।

विदेशी भाषा में दूसरों के विचारों को रटकर, अपने मस्तिष्क में उन्हें ठूंसकर और विश्वविद्यालयों की कुछ पदवियाँ प्राप्त करे तुम अपने को शिक्षित समझते हो। क्या यही शिक्षा है? तुम्हारी शिक्षा का उद्देश्य क्या है? या तो मुंशीगिरी मिलना या वकील हो जाना, या अधिक से अधिक डिप्टी मजिस्ट्रेट बन जाना, जो मुंशीगिरी का ही दूसरा रूप है – बस यही न? इससे तुमको या तुम्हारे देश को क्या लाभ होगा ? आँखे खोलकर देखो, जो भरतखण्ड पहले कभी अन्न का अक्षय भण्डार रहा, आज वहीं उसी अन्न के लिए कैसी करुण पुकार उठ रही है? क्या तुम्हारी शिक्षा इस अभाव की पूर्ति करेगी? वह शिक्षा जो जनसमुदाय को जीवन संग्राम के उपयुक्त नहीं बनाती जो उनकी चारित्र्य शक्ति का विकास नहीं करती, तो उनमें भूत–दया का भाव और सिंह का साहस पैदा नहीं करती, क्या उसे भी हम शिक्षा का नाम दे सकते है? अतएव हमें तो ऐसी शिक्षा चाहिए जिससे चरित्र बने, मानसिक बल बढ़े, बुद्धि का विकास हो और जिससे मनुष्य अपने पैरो पर खड़ा हो सके।

i) हमें किन विचारों को अनुभूत कर लेने की आवश्यकता है – (1)

अ. जीवन निर्माण ब. मनुष्य निर्माण

स. चरित्र निर्माण द. उपरोक्त सभी

ii) शिक्षा का सही अर्थ है– (1)

अ. जानकारी प्राप्त करना ब. मुंशीगिरी करना

स. विदेशी भाषा को रटना द. जीवन–चरित्र निर्माण

iii) निजी ज्ञान भण्डार का समृद्ध करने के लिए आवश्यकता है – (1)

अ. अंग्रेजी भाषा ब. यांत्रिक भाषा

स. पाश्चात्य विज्ञान द. इनमें से सभी

iv) जो शिक्षा भूत–दया का भाव और सिंह का साहस उत्पन्न नहीं कर सकती है वह है – (1)

अ. सारहीन शिक्षा　　ब. अर्थपूर्ण शिक्षा

स. स्वावलम्बी शिक्षा　　द. उद्देश्यमूलक शिक्षा

v) लेखक के अनुसार शिक्षा क्या है ? (1)

vi) हमें कैसी शिक्षा की आवश्यकता है? (1)

vii) लेखक के अनुसार वर्तमान शिक्षा पद्धति कैसी है? (1)

viii) शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य क्या होना चाहिए ?

3. निम्नलिखित अपठित पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (1×8=8)

अरे वर्ष के हर्ष
बरस तू बरस–बरस रसधार!
पार ले चल तू मुझको
बहा, दिखा मुझकों भी निज
गर्जन–भैरव संसार!
उथल–पुथल कर हृदय –
मचा हलचल–
चल रे चल
मेरे पागल बादल!
धँसता दलदल,
हँसता है नद खल् खल्
बहता, कहता कुलकुल कलकल कलकल।
देख–देख नाचता हृदय
बहने को महा विकल–बेकल।
इस मरोर से – इसी शोर से –
सघन छोर गुरु गहन रोर से
मुझे मजन का दिखा सघन वह छोर!
राग अमर! अम्बर में भर निज रोर!

i) बादल को वर्ष के हर्ष क्यों कहा गया है– (1)

अ. धन–धान्य के लिए　　ब. किसानों के लिए

स. प्राणियों के लिए　　द. उपरोक्त सभी

ii) कवि बादलों में क्या दिखाने को कहता है– (1)

अ. गर्जन संसार　　ब. दलदल

स. नद् खलखल　　द. प्रकृति

iii) बादलों को बरसते देख कवि का मन क्या करने को करता है– (1)

अ. नाचने को ब. गाने को

स. गुनगुनाने को द. रोने का

iv) 'अम्बर में भर निज रोर' में क्या व्यक्त हुई है– (1)

अ. स्वयं की पीड़ा ब. बादलों की पीड़ा

स. संसार की पीड़ा द. कोई भी नहीं

v) प्रस्तुत काव्यांश की पंक्ति 'बरस तू बरस–बरस के रसधार' में कौनसा अलंकार है? (1)

vi) काव्यांश में कौनसी रीति प्रयुक्त हुई है ? (1)

vii) काव्यांश में कौनसा रस है? (1)

viii) काव्यांश के भाषा शिल्प पर प्रकाश डालिए। (1)

खण्ड–2

रचनात्मक एवम् व्यावहारिक लेखन **22 अंक**

3. अपने जीवन की किसी अविस्मरणीय घटना का अपने शब्दों में वर्णन कीजिए।(3)

अथवा

अपने विद्यालय में आयोजित हुए क्रिकेट टूर्नामेण्ट का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।

4. जिला कलक्टर, बीकानेर की ओर से स्वास्थ्य सचिव, राजस्थान सरकार को अपने क्षेत्र में अज्ञात बीमारी से राहत दिलवाने हेतु राजधानी से एक चिकित्सकों की टीम भिजवाने हेतु निर्धारित प्रारूप में एक कार्यालयी पत्र लिखिए। (3)

अथवा

अपने क्षेत्र के पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी को एक आवेदन पत्र लिखिए जिसमें अपनी योग्यता एवम् अनुभव आदि का उल्लेख करते हुए अंशकालीन। अतिथि शिक्षक के पद पर नियुक्त करने का निवेदन किया गया हो।

5. प्रतिवेदन का अभिप्राय एवम् परिभाषा स्पष्ट कीजिए। (2)

अथवा

आदर्श प्रतिवेदन की विशेषताएं लिखिए।

6. प्रेस विज्ञप्ति किसे कहते हैं? प्रेस विज्ञप्ति और प्रेस नोट में क्या अन्तर है? (2)

अथवा

निदेशक माध्यमिक शिक्षा निदेशालय राजस्थान की ओर से राजस्थान के शिक्षकों को सूचनार्थ एक प्रेस विज्ञप्ति का प्रारूप तैयार कीजिए, जिसमें 'डॉ राधाकृष्णन शिक्षक पुरस्कार' हेतु आवेदन आमंत्रित किये गए हो।

7. राउ.मा.वि. बीकानेर की विद्यालय की विकास समिति की आगामी बैठक हेतु एक कार्यसूची का प्रारूप तैयार कीजिए। (2)

अथवा

कार्यवृत्त से आप क्या समझते हैं इसका स्वरूप लिखिएं तथा कार्यवृत्त लिखते समय ध्यान देने योग्य बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए।

8. निम्न प्रश्नों में से उचित विकल्प का चयन करते हुए उत्तर दीजिए। (कोई छः) (1x6=6)

i) संयुक्ताक्षर का असंगत रूप पहचानिए –

अ. क्ष = क्+ष   ब. त्र = त्+र

स. ज्ञ= ज्+य   द. श्र = श्+र

ii) हिन्दी शब्दकोष में किन वर्णों का लेखन नहीं होता –

अ. क्ष, त्र   ब. ज्ञ, श्र   स. द्य   द. उपरोक्त सभी

iii) शब्द किसकी मूल इकाई है –

अ. वर्ण   ब. भाषा   स. कोश   द. ज्ञान

iv) शब्दकोश में सर्वप्रथम वर्ण आता है –

अ. अ   ब. अनुस्वार   स. क   द. विसर्ग

v) शब्द परिजातम है –

अ. ग्रन्थ का नाम   ब. कविता का नाम

स. शब्दकोश का नाम   द. इनमें से कोई नहीं

vi) अर्थ के स्तर पर भाषा की सबसे छोटी इकाई है

अ. वर्ण   ब. शब्द   स. वाक्य   द. भाषा

9. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर दीजिए – (2x2=4)

i) संचार से आप क्या समझते हो? संचार क्रान्ति के साधन कौन–कौनसे है ?

ii) भारत में पत्रकारिता की शुरूआत कब हुई और कहां हुई? पत्रकारिता के तीन पहले कौनसे हैं ?

iii) जनसंचार किसे कहते है? इसमें किन माध्यमों की सहायता ली जाती है? जनसंचार की दो विशेषताएं लिखिए।

खण्ड–3

पाठ्यपुस्तक अन्तराल (32 अंक)

10. निम्नांकित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए –

अरे इन दोहुन राह न पाई
        हिन्दू अपनी करै बड़ाई गागर छुवन न देई।
बेस्या के पायन–तर सौवे यह देखों हिंदूआई।
        मुसलमान के पीर ऑलिया मुर्गी–मुग रिवाई।

खाला कैरी बेटी ब्याहै धरहिं में करे सगाई।
        बाहर से इक मुर्दा लाए धोय–धाय चढ़वाई।
सब सखियाँ मिलि जेंवन बेठी धर–भर बरे बड़ाई।
        हिन्दुन की हिंदुवाई देखी तुरकन की तुरकाई।
कहै कबीर सुनों भाई साधों कौन राह हवै जाई।।

अथवा

अमल धवल गिरी के शिखरों पर,
बादल को घिरते देखा है।
छोटे–छोटे मोती जैसे
उसके शीतल तुहिन कणों को
मानसरोवर के उन स्वर्णम
कमलों पर गिरते देखा है।
बादल को घिरते देखा है।

11. 'सब आँखों के आँसू उजले' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। (5)

अथवा

'खेलन में को काको गुसैया' पद से बाल मनोविज्ञान पर क्या प्रकाश पड़ता है। स्पष्ट कीजिए।

12. 'अन्न न भावै, नींद न आवै' का क्या कारण है? ऐसी स्थिति क्यों हो गई है ? (2)

अथवा

कस्तूरी मृग के अपने पर ही चिढ़ने का क्या कारण है ? स्पष्ट कीजिए।

13. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (3x2=6)

1. 'तू न अपनी छाँह को अपने लिये कारा बना' पंक्ति का काव्य सौन्दर्य लिखिए।
2. पाठ्यपुस्तक के संकलित पदों के आधार पर पद्भावर का काव्य सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।
3. सूरदास श्रृंगार तथा वात्सल्य के अद्वितीय कवि है – उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।
4. इस देश में उनके धर्म, जाति मजहब और सम्प्रदाय के लोग रहते थे परन्तु कबीर हिन्दू और मुसलमान की ही बात क्यों करते है ?
5. 'बादल को घिरते देखा है' कविता का भाव सौन्दर्य स्पष्ट कीजिए।

14. निम्नांकित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या लिखिए। (4)

उसके पास न्याय का बल है और नीति की शक्ति। एक और मिट्टी है और दूसरी और लोहा, जो इस वक्त अपने को फौलाद कह रहा है। वह अजेय है, घातक है। अगर कोई शेर आ जाये तो मिया भिश्ती के छक्के छूट जाये', मियाँ सिपाही मिट्टी की बन्दूक छोड़ भागें। वकील साहब की नानी मर जाये, चोगे में मुँह छिपाकर जमीन पर लेट जाएं। मगर यह चिमटा, यह बहादुर रूस्तमे हिन्द लपककर शेर की गर्दन पर सवार हो जाएगा और उसकी आँखें निकाल लेगा।

अथवा

भट्ठे से उठते हुए काले धुएँ ने आकाश तले एक काली चादर फैला दी थी। सब कुछ छोड़कर मानों और सुकिया चल पड़े थे। एक खानाबदोश की तरफ, जिन्हें एक घर

चाहिए था, रहने के लिए पीछे छूट गए थे कुछ बेतरतीब पल पसीने के अक्स जो कभी इतिहास नहीं बन सकेंगे। खानाबदोश जिन्दगी का एक पड़ाव था यह भट्ठा।

15. ''मानों भ्रातृत्व का एक सूत्र इन समस्त आत्माओं का एक लड़ी में पिरोए हुए है।'' इस कथन के सन्दर्भ में स्पष्ट कीजिए कि धर्म तोड़ता नहीं जोड़ता है। (5)

अथवा

मुन्शीजी और सिद्धेश्वरी की असंबद्ध बातें कहानी से कैसे सम्बद्ध है? लिखिए।

16. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x2=4)

1. लेखक ने टॉर्च बेचने वाली कम्पनी का नाम 'सूरज छाप' ही क्यों रखा ?
2. गूँगे ने अपने स्वाभिमानी होने का परिचय किस प्रकार दिया ?
3. ज्योतिबा फुले की सबसे बड़ी विशेषता क्या थी ?
4. सुकिया चुपचाप लेटा क्या सोचता था ?

17. प्रेमचन्द का जीवन परिचय तथा साहित्यिक योगदान पर विस्तार पूर्वक लिखिए। (2)

अथवा

महादेवी वर्मा का जीवन परिचय तथा कृतित्व पर सविस्तार प्रकाश डालिए।

खण्ड–4

अन्तराल **10 अंक**

18. निम्नलिखित में से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (2x5=10)

1. अण्डे के छिलके एकांकी ने समाज की किन विकृतियों को उजागर किया है?
2. एकांकी 'अण्डे के छिलके' के आधार पर वीना की चारित्रिक विशेतायें लिखिए।
3. एकांकी के स्वरूप का परिचय दीजिए इसके तत्वों का विवरण लिखिए।
4. 'अण्डे के छिलके' एकांकी का मूलभाव स्पष्ट कीजिए।
5. क्या अभाव , अधूरापन मनुष्य के लिये प्रेरणादायी हो सकता है ?
6. जो रुदन के विभिन्न रूपों को पहचानता है, वह साधारण बालक नहीं है। बड़ा होकर वह निश्चय ही मनस्तत्व के व्यापार में सिद्ध होगा। अघोर बाबू के मित्र के इस कथन पर अपनी टिप्पणी लिखिए।
7. शरत् की माँ भुवन मोहिनी का संक्षिप्त परिचय लिखिए।
8. शरत् को कहानी लेखन की प्रेरणा कैसे मिली ? स्पष्ट कीजिए।